



जन्मभूमि

मुंबई, गुरुवार, ता. २५-११-२००४

रत्नदीप गोपाल
आदिवरेकरनां नवां चित्रो
'मेमोर्स ऑफ द अनरियल
सिटी अन्ड रिईकसन ऑफ
आर्इडियाज': आर्टिस्ट सेन्टर,
काळाघोडा, मुंबई-२३. ता.
२३ नवेम्बरथी २८.

२ रत्नदीप गोपाल
आदिवरेकर विशिष्ट प्रकारनी सूज
अने समज धरावणार नवयुवान
चित्रकार छे. अेमना कामां शैली
अने विषय-वस्तुना व्यापक
प्रयोगो जेवा मळ्या छे. परस्पर
विरोधी के अज्ञाधार्या रुपको के
संदर्भा पास सार्जनात्मक रीते काम
लेवानुं अेमने फावे छे. कणाना
अैतिहासिक अने समकालीन
संदर्भा पक्ष अेमना चित्रोमां
जीलाया छे.

'विचारोनुं वकीलवन' नगर
संवेदनाने बेल्जियम अने
पारिसना सररियलिस्ट चित्रकार
तेने मेअिटनी कणाकृतिओने संदर्भ
वाचा आपे छे. वीसमी सदीनी
अत्यंत संकुल कणाकीय यणवण
'सररियलीजम'

(अतिवास्तववाद) रडी.
सिगमन्ड फ्रौडना 'अेनडिसीस
ऑफ ड्रीम्स' (स्वप्नोनुं पृथक्करण)
नामक संशोधनथी प्रभावित थरुने
वीसमी सदीना बीजा अने त्रीजा
दायकाना केन्च साहित्यकारोअे
अने चित्रकारोअे आ यणवणनो
आरंभ कर्यो. रत्नदीपना चित्रो
साथेनो रेने मेअिटनो संदर्भ जेता
स्पष्ट थाय छे के वीसमी सदी
वित्या पछी पक्ष सररियलीजमनो
प्रभाव ओसथो नथी. बळे
बणवत्तर बन्चो छे. दूरनी
वास्तविकताने अेकमेक
साथे यादस्त्रिक रीते जोडवानुं वलख
धरावणार रेने मेअिट प्रभर
बौद्धिक छे. अेमना चित्रोमां
कल्पनोनी संकुल सडोपस्थिति
जेवा मणे छे. मेअिट अेमना
पोताना शब्दमां कडे छे: Where
the objects brought together
are the same or different,
whether their metaphoric
arises because it reveals a
hidden affinity or a secret



चित्रकार रत्नदीप गोपाल आदिवरेकर

रत्नदीप आदिवरेकरनां चित्रोमां 'पोस्ट' मोडर्निजमनो संस्पर्श

or standard against which to
compare them. Which is
precisely we lack there. But
this would also mean that. If
we can not say what third
thing those other two
resemble, we can not say
what either is before this

साथेना संकुल संबंधनो पक्ष प्याल
आपे छे.
आटली लूमिका बाद
रत्नदीपनां चित्रोनी वात करीअे.
मुंबईना शहरेना अनुभवोनुं रेने
मेअिटनी कल्पनाविओने संदर्भ
स्वरूपान्तर थतुं जाय छे. मेअिटना
चित्र 'सिग्नेयर ठन ब्लेन्क'मां

गांणानी द्वि-परिभाषी असर
जन्माववामां मेअिट सकण रहे छे.
काळाभाटेवीना गीय विस्तारमां
दर्पणना योरस लरुने जतां मजुरो
साथे, नवेसरथी शहरे गोठवातुं
डोय अेवुं कल्पन रथवामां
रत्नदीप सकण रहे छे. सामे
मुकायेलुं टेस्ट ट्यूब बेबीनुं बाणक
पत्ताना मडेल साथे रभी रहलुं छे.
अे ज रीते 'टाईम ट्रांसडिक्स्'मां
धरना रसोडाना

५०१ जगत मूकेश पैद्य

comparison. For it is only
through its comparison with
another we can say what any
object is or means.
रत्नदीप आदिवरेकरना प्रत्येक
चित्रमां मेअिटनुं चित्र नाना कडमां
इरथी आलेखवामां आव्युं छे.
समसामयिक अथवा तो कडे के
आजना संवेदन साथे मेअिटना अे
चित्रनो संदर्भ सूचक रीते
वशायेलो छे अवनगण

अेक सुंदर स्त्री, छावभाव वगरं
घोडा उपर सवार छे, जे जंगलमां
थरुने पसार थाय छे. बारीकाठथी
जेतां स्पष्ट थरो घोडो अेनी
असवार अने वृक्षो अेवा बेहुडी
(अेब्सर्ड) रीते कपायेलां छे जेजे
थियेटरना पडदां न डोय!! थड
आगण धास, घोडानी जग्याअे
वृक्ष छतांय आकाश वगरना आ
चित्रमां योग्य लागे छे. मेअिट कडे
छे तेस 'विगनोनं अटपटं जेपाल

'अग्नि-स्थण'मांथी
रेखवे-अेन्जिन बडार आवतुं
आलेखवानो यमत्कार मेअिटे कर्यो
डतो. आ स्फुर्युं अे कसे अेमने
विराट अभभारमांथी अे कल्पन
उद्गमव्युं डोय अेवुं लाग्युं डतुं.
रेखवे अेन्जिन आवतुं अटकी गयुं,
कारणके उपरनी धरियाण बंध
डती. आथी ज रत्नदीपे रिपेरेर
शीतरने बाजुमां विराट
अभभारनी तसवीर आलेखी छे.
रत्नदीपनां चित्रो विचारप्रेरक
अने काव्यात्मक छे. सूचक
वशायेनो रीते अद्वयन अने छे.